एम ए एस ओ - 108

समाजशास्त्र में स्नातकोत्तर उपाधि कार्यक्रम

प्रथम वर्ष

एम.ए. समाजशास्त्र

जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एवं

जुलाई 2026 एवं जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थियों हेतु

एमएसओ 108: **उच्च-स्तरीय अनुसंधान की विधियां**

समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली–110068

पाठ्यक्रम कोड : एमएएसओ

सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-108/सत्रीय कार्य/ टीएमए/2026—27

प्रिय विद्यार्थी,

समाजशास्त्र में स्नातकात्तर उपाधि कार्यक्रम (एम.ए. समाजशास्त्र) के सदंर्भ में कायर्क्रम दर्शिका में हमन बताया है कि समाजशास्त्र के प्रत्येक पाठयक्रम के लिए आपको एक ***अध्यापक*** जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए) पूरा करना होगा।

इन सत्रीय कार्यां में प्रश्न पूछने का अर्थ आपकी योग्यता का पता लगाना है कि आप प्रश्न का वर्णन, विश्लेषण एवं आलोचनात्मक दृष्टि से इसे कैसे स्पष्ट करते हैं और इससे यह भी सुनिश्चित होगा कि आपको विषयवस्तु की संपूर्ण जानकारी हैं और आप इस पर क्रमबद्ध एवं संसक्त ढंग से लिख सकते हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य में कुल मिलाकर दस प्रश्न हैं और यह दो भागां में विभाजित है। प्रत्येक भाग में पाँच प्रश्न शामिल हैं।

प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर 500 शब्दों में दें। हमारा परामर्श है कि इन सत्रीय प्रश्नों को अपने सहपाठी तथा अकादमिक परामर्शदाता से चर्चा करके लिखने का प्रयास करें। जरूरी है कि आप सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में दें।

सत्रीय कार्य पूरा करके संबद्ध अध्ययन केंद्र के संयोजक को इसे निम्नलिखित समय—सूची के अनुसार भेज दें :

सत्रीय कार्य	**जमा कराने की तारीख**	**किसे भेजें**
जनवरी 2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2026**	**संबद्ध अध्ययन केन्द्र का संयोजक**
जुलाई **2026 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी**	**31 मार्च, 2027**	
जनवरी 2027 सत्र में प्रवेश प्राप्त विद्यार्थी	**30 सितम्बर, 2027**	

जमा कराए गए सत्रीय कार्य के लिए अध्ययन केंद्र से रसीद अवश्य लें और इसे अपने पास रखें। यदि संभव हो तो सत्रीय कार्यों की प्रतिलिपि अवश्य रखें। मूल्यांकन के बाद अध्ययन केंद्र द्वारा सत्रीय कार्यों को लौटाना होगा। कृपया इसके लिए आग्रह करें। अध्ययन केंद्र को मूल्यांकन के बाद अंक, विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, नई दिल्ली को भेजना ज़रूरी होता है।

सत्रीय कार्य करते समय कुछ ज़रूरी बातों को ध्यान में रखना

सत्रीय कार्य करते समय निम्नलिखित बिंदुओं को ध्यान में रखना उपयोगी होगा :

1 **नियोजन :** सत्रीय, कार्यों को सावधानी से पढ। इनसे जुड़ी इकाइयों का अध्ययन भलीभाँति करें। प्रत्येक प्रश्न से जुड़े उपयोगी बिंदुओं पर ध्यान कद्रित करें और फिर उन्हें तार्किक दृष्टि से क्रमबद्ध करें।

2 **व्यवस्थापन** : पक्का उत्तर लिखने से पहले कच्चा कार्य करें और फिर उत्तर लिखें। प्रारंभिक और अंतिम भाग की ओर पर्याप्त ध्यान दें।

3 **प्रस्तुति** : अपने उत्तर से संतुष्ट हों तो जमा कराने के नज़रिए से पक्का उत्तर लिखें। उत्तर साफ–साफ लिखें और जरूरी बिदुओं को रेखांकित करें। प्रत्येक उत्तर निर्धारित सीमा में होना आवश्यक है।

शुभकामनाओं सहित!

कार्यक्रम संयोजक
एम.ए.समाजशास्त्र
समाजशास्त्र संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इग्नू, मैदान गढी, नई दिल्ली–110068

इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
एम.ए. समाजशास्त्र में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

एमएसओ 108: उच्च-स्तरीय अनुसंधान की विधियां

अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य (टीएमए)

कुल अंक : 100
अधिभारिता : 30%

कार्यक्रम कोड : एमएएसओ
पाठ्यक्रम कोड : एमएसओ-108
सत्रीय कार्य कोड : एमएसओ-108/सत्रीय कार्य/टीएमए/2026-27

किन्हीं पाँच प्रश्नों (प्रत्येक) का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए।

		अंक
1.	गुणात्मक और मात्रात्मक शोध में क्या अंतर है? रामकृष्ण मुखर्जी के दृष्टिकोण के संदर्भ में समझाएं।	20
2.	गैर-संभाव्यता नमूनाकरण (non-probability sampling) क्या है? इसके प्रकारों को समझाएं।	20
3.	समाजशास्त्रीय शोध में फील्डवर्क की प्रासंगिकता की जांच करें।	20
4.	सामाजिक वास्तविकता को समझने में द्वितीयक डेटा (secondary data) किस प्रकार योगदान देता है?	20
5.	नृजातीय शोध (ethnographic research) में उभरते रुझानों पर चर्चा करें।	20
6.	सर्वेक्षण विधि के क्या लाभ और हानियां हैं?	20
7.	सर्वेक्षण डिजाइन के मुख्य चरणों को प्रस्तुत करें।	20
8.	विधि और कार्यप्रणाली (method and methodology) के बीच अंतर स्पष्ट करें।	20
9.	सहभागी दृष्टिकोण (participatory approach) के उद्भव की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि प्रदान करें।	20
10.	शोध के मुख्य प्रकार क्या हैं? समझाएं।	20